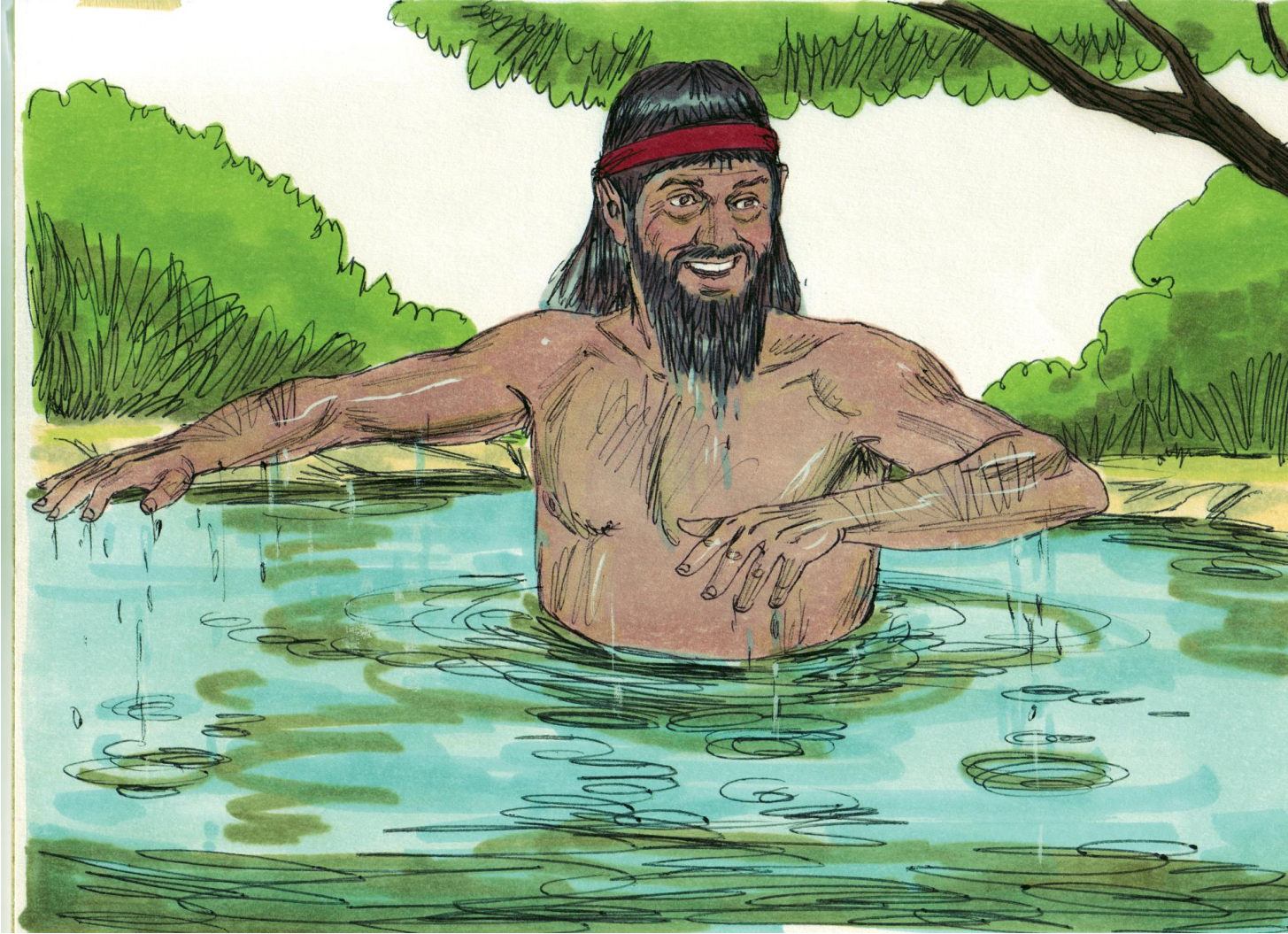


एलिशा औज़ि नामान कोड़ी



Bangani

एलिशा औज़ि नामान कोड़ी

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india



For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big Book in Bangani language
Orange Level Book

परकाशण:-

NLCI

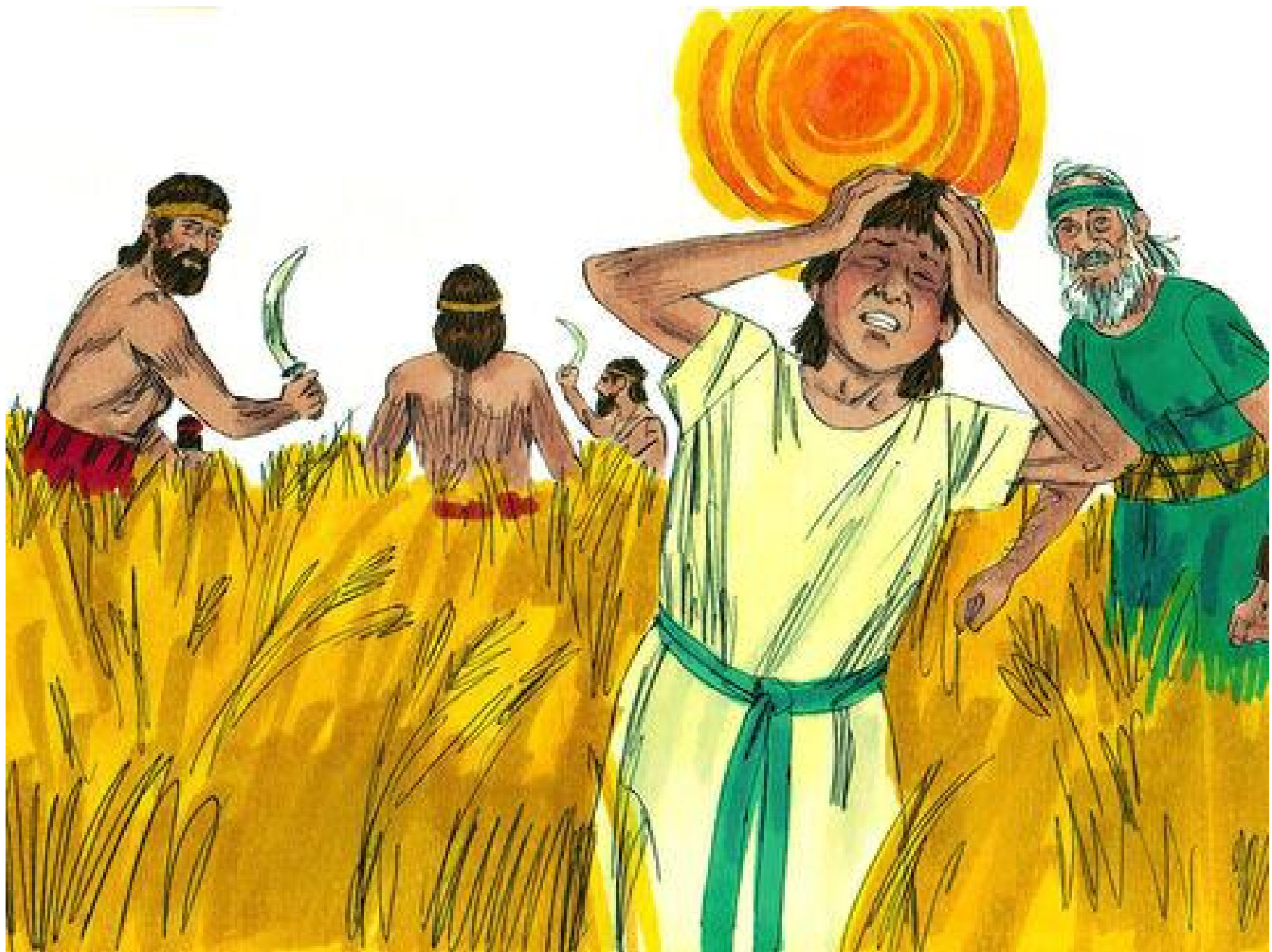
बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

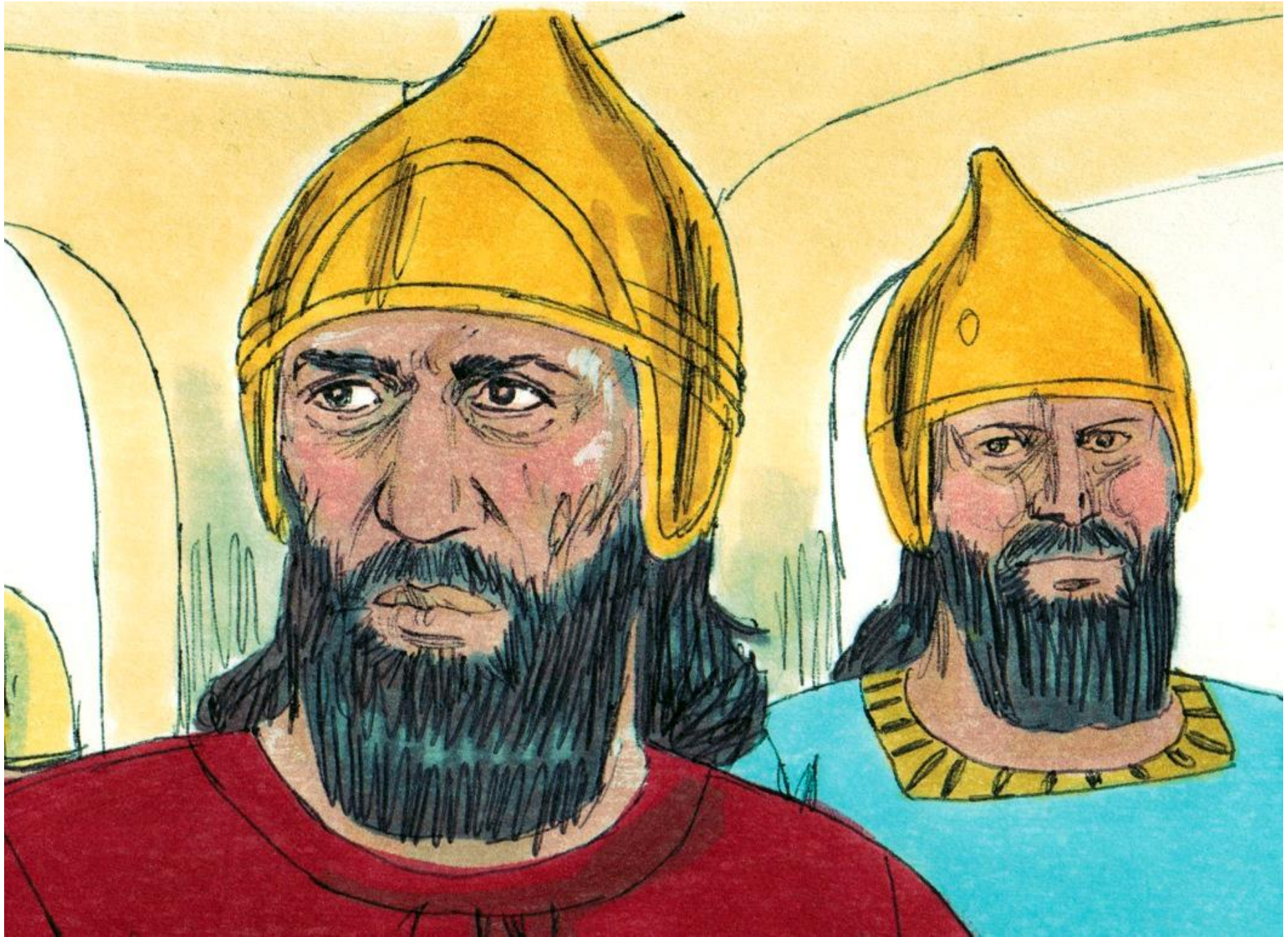
हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें एलिशा और नामान कोढ़ी के बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



परमेश्वर रौ दास एलिया स्वर्ग खी टिपणै
बासियै, एलिया दी जुण्ज़ी परमेश्वर री शक्ति
थी सै एलिशा दी डेइ, तै एलिशाइ तीं शक्ति
री बौज़ै कौइ बौरी चमत्कार कियै। सेउ
डेइयौ इस्राइल री राज़दानी शोमरोन दी
रौन्दै लागौ।



सेज़ौ बौक्ते दी यारोबाम राज़ा इस्राइल दी
राज़ कौरै थौ, तिणी बारा साल ज़ौऊं राज़
कियौ। पर तिणी सेज़ै काम कियै ज़ुणज़ै
परमेश्वर रै नज़र दी बुरै थै, एक बैरै आराम
देश रै लोग एक ज़ुट ऊइयौ इस्राइल दी
डै, तिऊं तेतकौइ एक लड़की गुलाम
चाणियौ आणी।



सेज़ौ बौक्ते दी यारोबाम राज़ा इस्राइल दी
राज़ कौरै थौ, तिणी बारा साल ज़ौऊं राज़
कियौ। पर तिणी सेज़ै काम कियै ज़ुणज़ै
परमेश्वर रै नज़र दी बुरै थै, एक बैरै आराम
देश रै लोग एक ज़ुट ऊइयौ इस्राइल दी
डै, तिऊं तेतकौइ एक लड़की गुलाम
चाणियौ आणी।



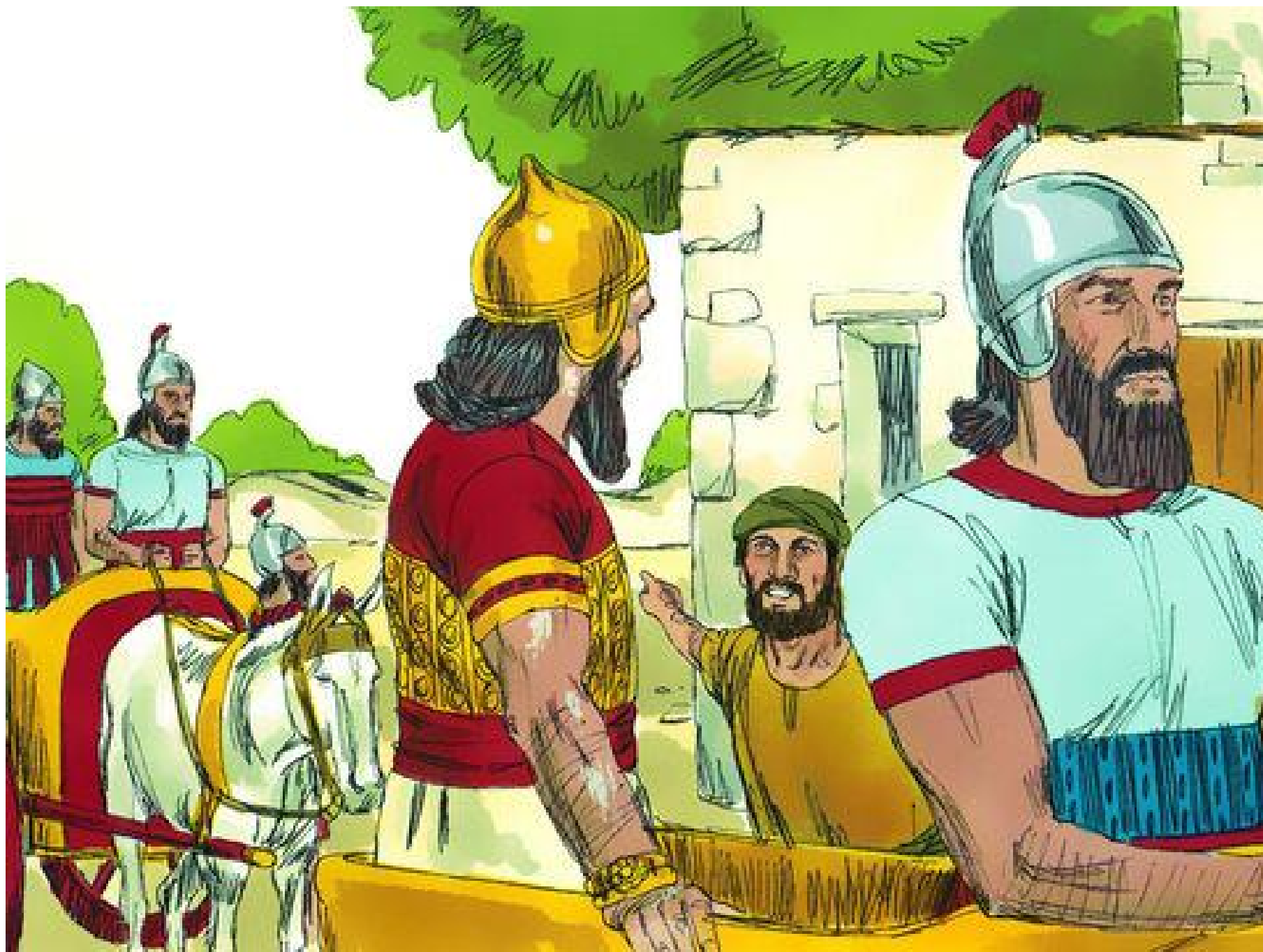
पर नामान दी कोड़ री बिमारी थी, औज़ि
जुण्जी लड़की इस्राइल देश कौड़ गुलाम
चाणियौ आणिन्दी थी, तेसरै गौरे दी काम
कौरै थी, जौ तीं लड़की कै पौतौ लागौ, कि
मेरै मालिक दी कोड़ री बिमारी।



तैबै सै आपड़ी मालकिन आरी बोल्दी लागी,
अगर मेरौ मालिक इस्राइल रै शोमरोन दी
परमेश्वर रै दास काई डै थौ, तै परमेश्वर रौ
दास मालिकेइ ठीक कौरै थौ। तैबै एज़ी बुशै
तिंयै आपड़ै पति आरी बोली।



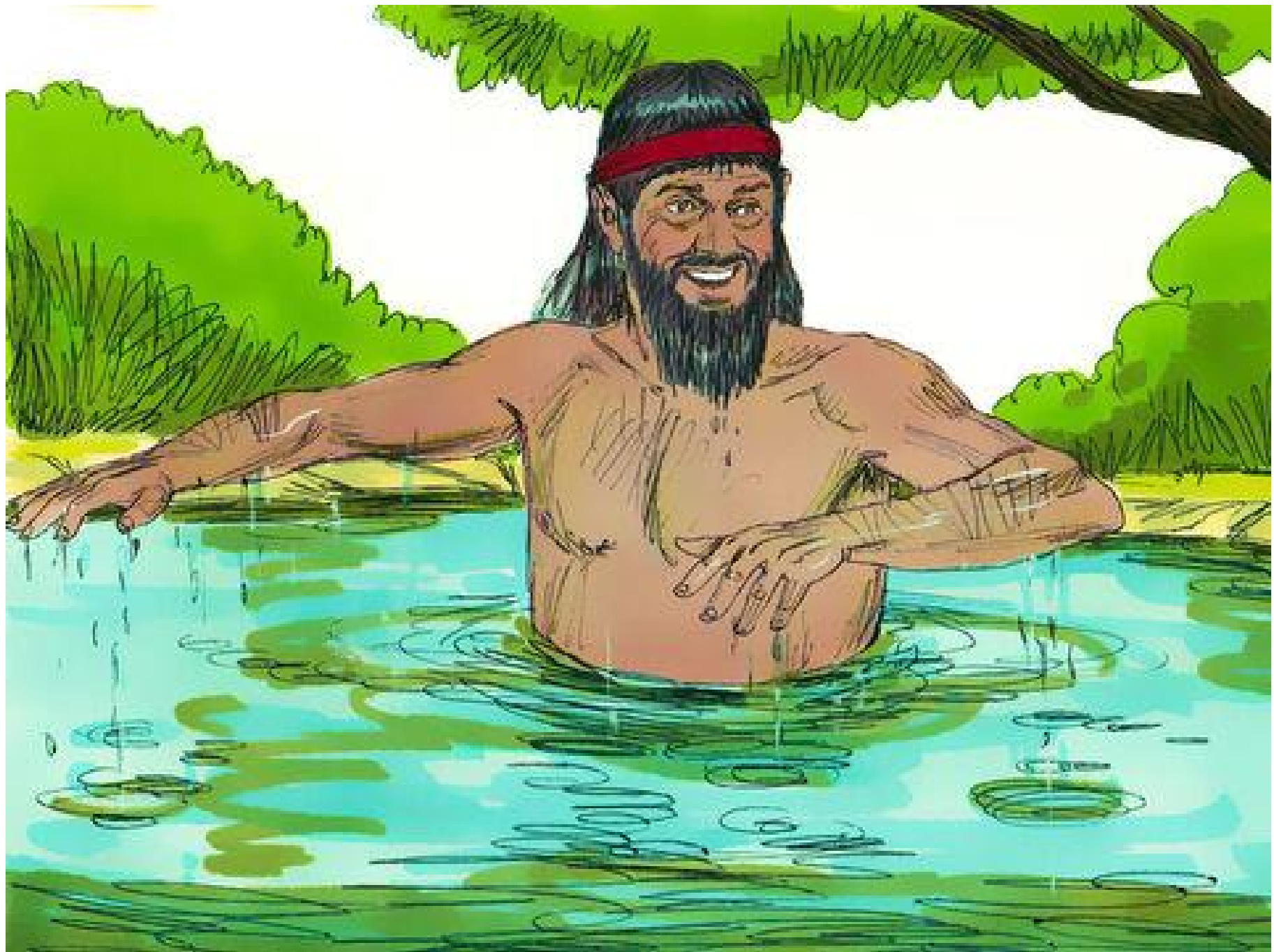
तैबै नामानेइ एज़ी बुशै आपड़ै राज़ा आरी
बोली, राज़ाइ नामान आरी बोलौ, कि तू डेऊ,
आऊँ इस्राइल रै राज़ा खी एक चिढ़ी देऊ तैबै
परमेश्वर रौ दास ताँऊ ठीक कौरै, तैबै
नामानेइ सुनौ चाँदी औज़ि दौश ज़ोड़ी जुड़कै
गिणियौ डैअ।



ज़ौ नामान सैनापति इस्राइल रै शोमरोन दी
परमेश्वर रै दास काई डैअ। सेउ तेसरै दुवारै
काई थौ, तैबै एलिशाइ आपड़ौ एक दास
आरी बोलौ कि तू डेइयौ नामान आरी बोल
कि तू यरदन नौई दी डेइयौ सात बैरै डुबकी
ला तै तू ठीक औयै लौ, औज़ि तेरौ शरीर
जेशौ औगौणिकै थौ तेशौइ उवै लौ।



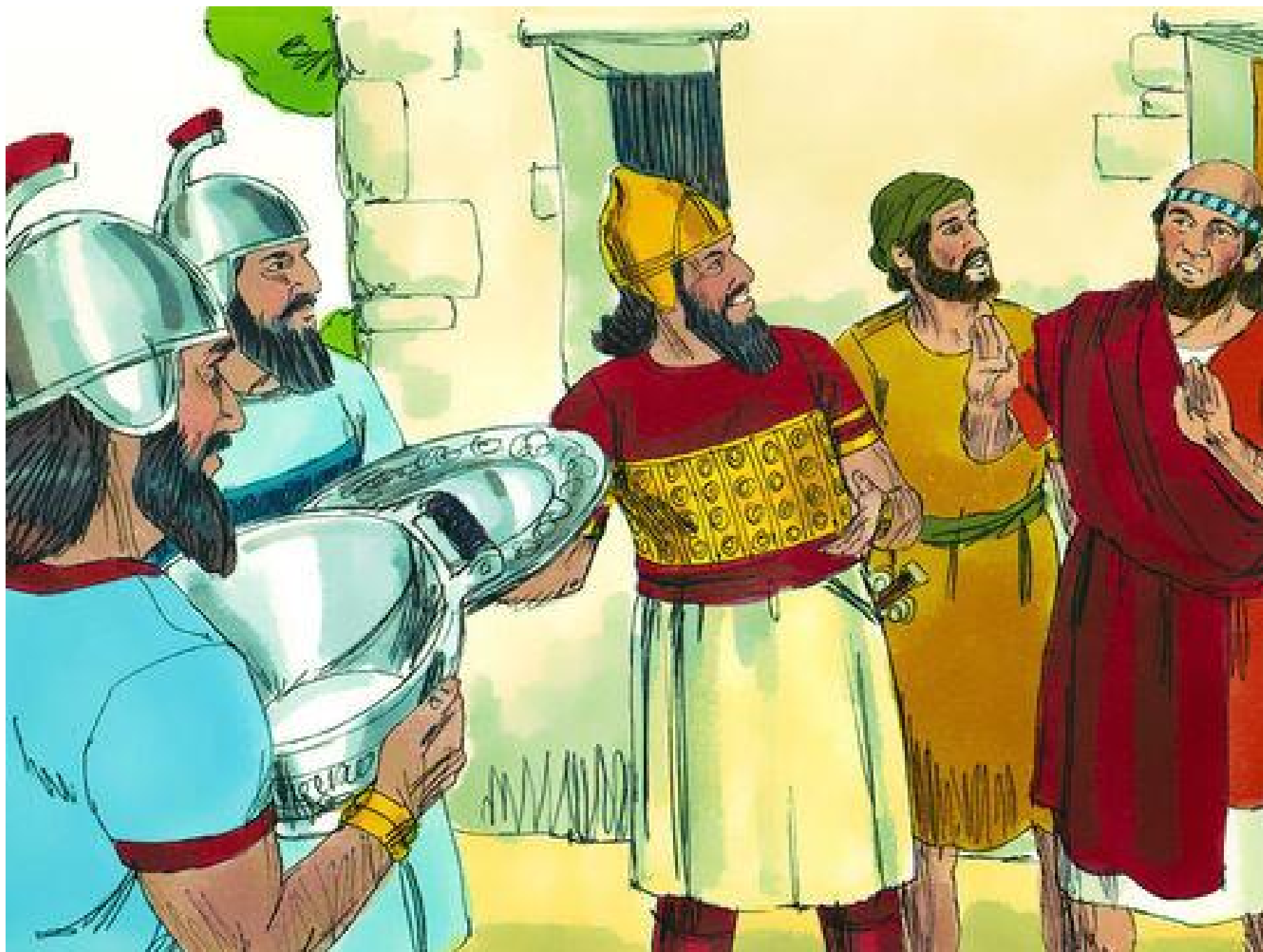
एज़ी बुशै शुणियो नामान रोशुवौ, औज़ि एशौ
बोलियो वापस डेन्दै लागौ, मुई तै एशौ सुँचौ
थौ कि एलिशा बारै आइयौ परमेश्वर कौइ
प्राथना कौरै लौ। तै मेरौ कोड़ ठीक औयै
लौ। का मेरै देश री नौइयै इस्राइल देश री
नौइऊँ कौइ बौड़िया ना नौथि।



तैबै नामान रौ सैनिकेइ तेसारी बोलौ, अगर
एलिशा ताउंके कोई बौड़ौ काम कौरणेखी
बोलै थौ, तै का तू तेस ना कौरै थौ? एऊ तै
सरल काम, तैबै नामानेइ तेशौइ कियौ जेशौ
एलिशाइ बोलौ थौ। तिणी यरदन नौई दी
डेइयौ सात बेरै डुबकी लाई।



तै नामान री खाल छोटौ माऊं बाशी मुलायम
बौणी, तैबै नामान कोड़ री बिमारी कौइ ठीक
उवौ। तैबै नामान नौई कौइ बारै आइयौ
आपड़ै सिपाईऊ रै साथै परमेश्वर रै दास
एलिशा रै गौरै डैअ।



तै एलिशा रै सामणै खौड़ौ ऊइयौ बोल्दै लागौ
कि ऐबै आऊँ ज़ाणी गो, कि सारी दौरती दी
इस्राइल रौ परमेश्वरेइ छोड़ियौ कोई बी दुजौ
परमेश्वर ना नौथि। ऐबै आऊँ परमेश्वर रै
अलावा कासी ओरु री उपासना ना कौरु लै।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.